

थरुिनेल्ली मंदरि

हाल ही में [कला और सांस्कृतिक वरिासत हेतु भारतीय राषटरीय न्यास](#) (Indian National Trust for Art and Cultural Heritage- INTACH) ने सरकार के समकष थरुिनेल्ली, केरल के शरी महावषिणु मंदरि में स्थति 600 वर्ष पुरानी 'वलिककुमाडोम (एक उत्तम कोट की ग्रेनाइट संरचना)' के संरक्षण का प्रस्ताव रखा है।

चति का प्रमुख वषिय:

- उत्तम ग्रेनाइट से बनी 600 वर्ष पुरानी 'वलिककुमाडोम संरचना, वायनाड ज़लि के थरुिनेल्ली में शरी महावषिणु मंदरि में स्थति है।
 - मंदरि में चल रहे जीर्णोद्धार कार्य ने इसकी वरिासत के संरक्षण को लेकर चति जताई है।
 - 15वीं शताब्दी ईस्वी पूर्व की इस संरचना का एक समृद्ध इतिहास है औरनवीनीकरण प्रक्रिया के दौरान इसके प्रमुख तत्त्वों पर उचित ध्यान नहीं दिया गया है।
 - चुट्टाम्बलम (मंदरि को ढकने वाली आयताकार संरचना) के ढहने तथा 'वलिककुमाडोम भवन के संभावति ध्वस्त से वरिासत का नुकसान हुआ है और इसका मूल्य एवं महत्त्व कम हुआ है जसि भवषिय में भुला दिया जा सकता है या गलत समझा जा सकता है।
 - अधूरी संरचना एक समृद्ध सांस्कृतिक वरिासत के प्रतीक के रूप में मौजूद थी लेकिन इसे असंवेदनशील/अनुचित तरीके से फरि से तैयार किया गया है।
- ऐसा कहा जाता है कि कूरुग के राजा ने मंदरि के संरक्षक कोट्टायम राजा की अनुमति के बिना काम शुरू किया था। बाद में कोट्टायम राजा ने निर्माण कार्य का आदेश दिया और तबसे संरचना मौजूद है।

थरुिनेल्ली मंदरि:

- परचिय:
 - थरुिनेल्ली मंदरि, जसि अमलका या सदिध मंदरि के नाम से भी जाना जाता है, केरल के वायनाड ज़लि में एक वषिणु मंदरि है।
 - इस मंदरि का नाम एक घाटी में एक आँवले के पेड़ पर आराम कर रहे भगवान वषिणु की मूर्ति से पड़ा है, जसि भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी की परकिरमा करते हुए खोजा था।
- थरुिनेल्ली मंदरि की वास्तुकला:
 - थरुिनेल्ली मंदरि की वास्तुकला पारंपरिक केरल शैली का अनुसरण करती है। मंदरि में एक आंतरिक गर्भगृह है, जसिकी छत की संरचना टाइल से बनी हुई है और इसके चारों ओर एक खुला प्रांगण है।
 - मंदरि के पूर्व प्रवेश द्वार को ग्रेनाइट के दीपस्तंभ से सजाया गया है। मंदरि की बाहरी दीवार ग्रेनाइट के खंभों से बनी है और यह कक्ष शैली में काटे गए हैं, जो सामान्यतः केरल में नहीं देखे जाते हैं।



सांस्कृतिक वरिसत की रक्षा के लयि प्रयास:

■ वैश्वकि:

- [अमुरत सांस्कृतिक वरिसत के संरक्षण के लयि अभसिमय, 2005](#)
- सांस्कृतिक अभवियक्तयिों की वविधिता के संरक्षण और संवर्द्धन पर अभसिमय, 2006
- [संयुक्त राष्ट्र वरिश्व वरिसत समति:](#) भारत को वर्ष 2021-25 की अवधकिे लयि समति के सदस्य के रूप में चुना गया है ।

■ भारतीय:

- [एडॉप्ट ए हेरटिज कार्यक्रम](#)
- [प्रोजेक्ट मौसम](#)
- [अनुच्छेद 49 \(DPSP\)](#)
- [AMASR अधनियम](#) और [राष्ट्रीय समारक प्राधकिरण \(NMA\)](#)
- [प्रसाद योजना](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ):

?????????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा/से भारतीय संवधिान में नरिधारति नागरकिों के मौलकि कर्तव्यों में से है/हैं? (2012)

1. हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध वरिसत को संरक्षति करना ।
2. सामाजकि अन्याय से कमजोर वर्गों की रक्षा करना ।
3. वैज्ञानकि सोच और जाँच की भावना का वकिास करना ।
4. व्यक्तगित और सामूहकि गतविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता की दशिा में प्रयास करना ।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

[स्रोत: द हद्रि](#)

